मैदान छोटा और जीत बड़ी

आशा कटियार (स.अ.)
कम्पोजिट विद्यालय गोहलियापुर
बिल्हौर, कानपुर नगर

पूर्व की स्थिति– कुछ सरकारी विद्यालयों में खेल के मैदान और प्रशिक्षकों की कमी है, लेकिन समाज एवं समुदाय के सहयोग से इस कमी को दूर किया जा सकता है। ऐसे ही संविलियन विद्यालय गोहलियापुर में विद्यालय में बच्चों को पढ़ाई के साथ खेल में भी आगे बढ़ाने हेतु कुछ नवीन व अलग करने की आवश्यकता थी। अतः विद्यालय में सर्वप्रथम खेल के लिए मैदान का प्रबंध कराना और संसाधनों को विकसित करना एक महत्पूर्ण कार्य था। इस कार्य हेतु सामुदायिक सहयोग प्राप्त करना और नियमित खेल गतिविधियों को कराना तथा उनकी प्रतिभा को उड़ान देना इस अभिनव प्रयास का मुख्य उद्देश्य है।

क्रियान्वयन– सर्वप्रथम स्थानीय समुदाय के सहयोग से एक विवादित जमीन को खेल मैदान में बदला गया। इसी गाँव के दो युवा अंशु और सर्वेश ने विद्यालय को सहयोग प्रदान करते हुए बच्चों को निःशुल्क खेल प्रशिक्षण देना शुरू किया। विद्यालय के बच्चों के खेल का समय शाम 4 से 6 बजे तक रखा गया ताकि विद्यालय की पढ़ाई में व्यवधान न हो। इस प्रकार समुदाय के अन्य लोगों व कई अभिभावकों द्वारा भी विद्यालय की खेल सम्बन्धी गतिविधियों में सहयोग दिया जाने लगा। बच्चों को स्थानीय और जनपद कानपुर के टूर्नामेंट में शामिल किया गया, जिससे वे विभिन्न खेलों में दक्ष हो गए। वर्तमान समय में गाँव के अनेक बच्चे स्टेट और नेशनल स्तर पर पहचान बना चुके हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें कानपुर खेल अकादमी से जोड़ा गया। लगातार प्रयासों से बच्चे कबड्डी, योग, बैडमिंटन, कुश्ती, लॉन्ग जंप और दौड़ में जीत हासिल करने लगे और स्थानीय टूर्नामेंट भी जीतने लगे हैं।

मैदान में खेलते हुए छात्र व छात्राएं

प्रभाव– विवादित जमीन पर हर दिन के लड़ाई–झगड़े से अलग होकर सभी हित धारकों का ध्यान एक सकारात्मक कार्य की तरफ आकर्षित हुआ और बच्चों पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा। इस नवाचार के माध्यम से कई कठिनाईयों का एक साथ समाधान हुआ। इसके द्वारा न केवल विद्यालय, शिक्षकों, बच्चों, अभिभावकों व समुदाय के मध्य समन्वयन एवं सहयोग बढ़ा अपितु विद्यालय के बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु खेल का मैदान व मानव संसाधन की उपलब्धता भी सुनिश्चित हुई। विद्यालय के बच्चों ने खेलकूद में अद्वितीय सफलता हासिल की है। संविलियन विद्यालय गोहलियापुर, बिल्हौर में प्रतिवर्ष समर कैंप आयोजित होता है जिसमें

समाज के सहयोग से विभिन्न खेल प्रशिक्षक बच्चों को प्रशिक्षण देते हैं। इस नवाचार से विद्यालय के नामांकन में वृद्धि हुई है, जो अब बढ़कर 230 है।

वर्ष 2022 में N.C.E.R.T. रैंकिंग में जनपद का यह सर्वश्रेष्ठ विद्यालय बना। विद्यालय के बच्चों ने 'जय हनुमान खेल अकादमी' नामक अपनी खेल अकादमी बनाई है और अपना यूट्यूब चैनल भी विकसित किया है। विद्यार्थियों के उल्लेखनीय उपलब्धियाँ इस प्रकार है–

1. 2021 में, कुमारी अंशु (कक्षा 7) ने राज्य स्तरीय ग्रामीण उत्तर प्रदेश योग एसोसिएशन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंची।
2. 2022 में, अंशु (कक्षा 8) ने पुनः राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया और नेशनल स्तर पर प्रदर्शन किया।
3. 2023 में, 6 बालिकाओं और 5 बालकों का सब जूनियर कबड्डी टीम में राज्य स्तर पर चयन हुआ।
4. 2023 में, बेसिक की राज्य खेलकूद प्रतियोगिता में बालकों की कबड्डी टीम का चयन हुआ।
5. 2024 में, ग्रामीण युवा लीग में बालिकाओं और बालकों की कबड्डी टीम का राज्य स्तर पर चयन हुआ।

स्वराज इंडिया — बिल्हौर व अन्य — 07

गोहलियापुर स्कूल की छह बालिकाओं का स्टेट टीम में चयन

» कानपुर जिले के साथ-साथ बिल्हौर के लिए बड़ी उपलब्धि

» हाल ही में स्कूल की शिक्षिका को मिला है राज्य शिक्षक पुरस्कार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर। कौशाम्बी में आगामी 28 और 29 सितंबर को आयोजित स्टेट जूनियर कबड्डी टीम में कानपुर नगर से बिल्हौर के कंपोजिट स्कूल गोहलियापुर की छह बालिकाएं अपने दांव-पेंच का जलवा दिखाएंगी। अपने आप में गोहलियापुर स्कूल के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। हाल ही में इसी स्कूल की शिक्षिका आशा कटियार ने राज्य पुरस्कार प्राप्त कर बिल्हौर का गौरव बढ़ाया है। राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित आशा कटियार ने बताया कि हमने अपने स्कूल के खिलाड़ियों को पहले सपने दिखाए और फिर उन्हे पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत के साथ अभ्यास कराया। जिसका नतीजा यह हुआ कि अकेले इसी स्कूल के पाँच बच्चे स्टेट लेवल पर खेलने जा रहे है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वे अपने मुकाम में सफल होंगे।

स्टेट कबड्डी प्रतियोगिता के लिए चयनित टीम और शिक्षक